

I have also to request the Government of India to direct the Indian Rare Earths Lt. to provide adequate protection to the beach against flooding and further to pay equitable compensation to all those affected so far.

(vii) FAMINE CONDITIONS IN TRIBAL AREAS OF RAJASTHAN

**श्री भीष्मा भाई (बांसवाड़ा) :** राजस्थान के डूंगरपुर-बांसवाड़ा जिलों के आदिवासी क्षेत्रों में अकाल की भयंकरता बढ़ती जा रही है। विशुद्ध आदिवासी गांवों से आदिवासी रोजगार की तलाश में समीपवर्ती गुजरात एवं मध्य प्रदेश भाग रहे हैं। आदिवासियों के पलायन की गति से लगता है मई-जून तक उक्त सारा इलाका वीरान हो जायेगा। पर्य जल समस्या गम्भीरतर हो गई है तथा पशुओं के चारे एवं पानी की समस्या भी बहुत जटिल हो गई है। रोजगार एवं मजदूरी की व्यवस्था नगण्य है। जीवन-यापन के लिये आवश्यक वस्तुओं के क्रय करने की शक्ति का ह्रास हो चुका है। ऐसी विषम स्थिति के समय विभागीय अधिकारियों द्वारा, विशेषकर राजस्व एवं सहकारी वसूलियां सख्ती से की जा रही हैं। आदिवासियों के मकान और जमीन नीलाम होने जा रहे हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा तत्काल हस्तक्षेप किया जाना अत्यावश्यक है। सारी वसूलियां तुरन्त स्थागित की जावे और राहत कार्य शुरू किये जावे। पीने के पानी की व्यवस्था तो की ही जावे, जानवरों के लिये चारे की तथा सस्ते अनाज व कपड़े की दुकानें भी खोली जावे। साथ ही संसद सदस्यों की एक समिति का गठन किया जाये जो सारे राहत कार्यों की निगरानी करे तथा सरकार को सूचित करे। निष्क्रमणार्थियों को अपने घर में पुनर्वासित करने में विशेष योगदान प्रदान किया जावे . . .

(Interruptions)

**SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour):** Mr. Speaker, Sir, I would suggest that you kindly invite friends on my right to your chamber at an appointed time and have a discussion with them. If they come satisfied, well and good; otherwise they have got full day tomorrow with them.

**MR. SPEAKER:** I have already said that. They can come to my chamber at 1 O'clock and discuss with me.

(viii) NEED TO DEFER RECOVERY OF REVENUE FROM THE FARMERS IN FAMINE AFFECTED AREAS OF RAJASTHAN

**श्री मूल चन्द डागा (पाली) :** राजस्थान में 2 करोड़ 40 लाख लोग अकाल से पीड़ित हैं। उन्हें काम पर आवश्यक संख्या में नहीं लगाये जाने के कारण त्राहि त्राहि मची हुई है। लाखों लोगों के पास क्रय शक्ति बिल्कुल नहीं है। उन्हें अपनी चल और अचल सम्पत्ति को बेचना पड़ रहा है और जो काम पर जाते हैं उन्हें 3 किलो अनाज भी समय पर नहीं मिल पाता। कई महीनों तक उन्हें अनाज नहीं मिलता और उन्हें केवल डेढ़ किलो और दो किलो अनाज मिल रहा है। पीने के पानी की भी भयंकर समस्या है। वक्त पर डीजल और बिजली के उपलब्ध न होने से काश्तकार रबी की फसल भी पैदा नहीं कर सका और इस कारण उसकी हालत भी बहुत पतली हो गई है। फिर भी सरकार उनसे सभी प्रकार की वसूलियां कर रही हैं और सख्ती से कर रही हैं। उनकी सम्पत्ति कूड़क कर रही है। विद्युत् मंडल को चाहिए कि उन से मिनिमम चार्ज नहीं ले और राजस्व विभाग को लगान वसूल नहीं करना चाहिए और सभी प्रकार की वसूलियां अकाल के समय रुक जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो गांवों में त्राहि त्राहि मच जायेगी और उनमें भारी आक्रोश जो है वह उग्र रूप धारण कर लेगा।

(ix) REPORTED KILLING OF TWO SCHOOL TEACHERS AND FOUR ASSAM RIFLE AND BORDER ROADS JAWANS IN MIZORAM BY M.N.F.

**SHRI SONTOSH MOHAN DEV (Silchar):** Sir, under rule 377, I wish to raise the following matter:

I rise to draw the attention of the Home Minister, about killing of two school teachers and four Assam Rifle and Border Road Jawans in Mizoram by the M.N.F. One Shri Ranjan Roy, son of Shri Nityananda Roy, headmaster of a private school at Kipran was stoned to death. because he failed